No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-1

04909

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

कुल का : 70%

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। पहला प्रश्न **अनिवार्य** है।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्हीं तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3x12=36**

(क) इस सारी बस्ती में चौधरी ही पढ़े-लिखे सफेदपोश थे। सिर्फ उनके ही घर की ड्योढ़ी पर परदा था। सब लोग उन्हें 'चौधरी जी, मुंशी जी' कहकर सलाम करते। उनके घर की औरतों को कभी किसी ने गली में नहीं देखा। लड़कियाँ चार-पाँच बरस तक किसी काम-काज से निकलतीं और फिर घर की आबरू के खयाल से उनका बाहर निकलना मुनासिब न था।

(ख) प्रेम-पीड़ित हृदय इस दशा में क्या इतना शांत और अविचलित रह सकता है? नहीं, कभी नहीं। हृदय की चोट भाव-कौशल से नहीं छिपाई जा सकती। अपने चित्त की दुर्बलता पर इस समय उन्हें अत्यंत क्षोभ हुआ। उन्होंने अकारण ही संदेह को हृदय में स्थान देकर इतना अनर्थ किया।

(ग) एक बार गाँव के बाहर लोगों ने उनके दर्शनों की इच्छा प्रकट की तब वे पालकी में बैठकर एक बार गाँव गए। केवल एक बार। वहाँ भी गाँव के लोगों ने उनके दर्शन पर्दे से किए। उस समय गाँव के लोगों को ऐसी प्रसन्नता हुई जैसे भगवान उतर आए हों। बाहर वे कभी न निकलते। अँग्रेजों के दरबार में भी जाते रहे। सरकार बहादुर ने उनके मिलने का खास प्रबंध किया था। उनसे कह दिया था कि आपके आने की कोई आवश्यकता नहीं है। सरकार आप पर बहुत खुश है।

(घ) आर्य! आप बोलते क्यों नहीं? आप धर्म के नियामक हैं। जिन स्त्रियों को धर्म-बंधन में बाँधकर, उनकी सम्मति के बिना आप उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिद्वार-कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपत्ति में अवलंब माँग सकें? क्या भविष्य के सहयोग की कोई कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं।

(ङ) सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडंबर के साथ सफलता नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए नि:शेष भाव से दे देने में है।

2. उपन्यास के प्रमुख तत्त्वों का परिचय दीजिए। 16

3. 'उसने कहा था' कहानी के आधार पर लहना सिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

4. 'निर्मला' उपन्यास के संरचना-शिल्प पर विचार कीजिए। 16

5. 'गिरती दीवारें' एकांकी के तत्त्वों के आधार पर गिरती दीवारों का मूल्यांकन कीजिए। 16

6. 'बातचीत' निबंध की विशेषताएँ बताइए। 16

7. नारी-समस्या की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक पर विचार कीजिए। 16

8. प्रसादोत्तर हिंदी नाटक के विकास का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **8x2=16**

(क) निबंध में लेखकीय व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का प्रतिपाद्य

(ग) संस्मरण और रेखाचित्र

(घ) भारतेंदुयुगीन हिंदी गद्य